

तापमान



अधिकतम 31.8°C
न्यूनतम 25.8°C

हरिभूमि रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार 6 सितंबर 2026

11 प्रधान के 8, महासचिव के 5 और लाइब्रेरी ईचार्ज पद...

12 बचपन में हार्मोन संबंधी गड़बड़ी की पहचान...



I.B. SCHOOL

ESTD. 1999 ROHTAK

26 YEARS
of excellence
1999 - 2026

IB ALUMNI NEW MILESTONES IN ACADEMICS AND SPORTS



MANSHA
NEET
ALL INDIA RANK
17



MANNAT
NEET
ALL INDIA RANK
3205



LAKSHU
SILVER
MEDALIST
ASIAN BOXING
CHAMPIONSHIP
Selected for
WORLD
BOXING CHAMPIONSHIP



NAINA
INDIAN
BOXING TEAM
Represented in
World cup
Boxing Elite
Tournament in
China 2026

NEW

NEW IB CENTRE FOR EXCELLENCE



A new milestone in
Skill Development

BUILDING
FUTURE-READY SKILLS

OVER 10,000 SQ. FT.
IB CENTRE FOR EXCELLENCE



NEW

NEW IB SMART CITY

WHO WILL YOUR CHILD
BECOME?

20+ REAL WORLD LEARNING EXPERIENCES

eLEVATE

FIRST SCHOOL IN INDIA TO LAUNCH
THE BRITISH ELEVATE PROGRAMME



FROM ROHTAK TO UK

IB Students selected for the
International Student Exchange
Programme 2026 - 27
Sponsored by UK Fostering

PRAGATI | GOURANGI | HARSHITA



IB BRANCHES

WWW.IBSROHTAK.COM



GOHANA ROAD

Senior Branch

91389 81415



SECTOR 2/3

Junior Branch

91389 81414



SUNCITY HEIGHTS

Junior Branch

91389 81423

न्यूज डायरी

शिक्षक भविष्य का निर्माता : डॉ. विनोद



रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर में विमने स्टडी सेंटर, कल्चरल कमेटी एवं आईक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. एम. यादव के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह का मंच संचालन डॉ. कोमल ने किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. (डॉ.) पवन जलवाल एवं प्रो. (डॉ.) अरुणा अंवाल रहे। कार्यक्रम में डीन (शैक्षणिक मामले) डॉ. नवीन कुमार, निर्यंत्रक परीक्षा डॉ. मुकेश सिंगला, निदेशक आईक्यूएसी अरुण गिरी, डीएसडब्ल्यू डॉ. सुधीर मलिक उपस्थित रहे।

माटिया स्कूल में मनाई जन्माष्टमी



रोहतक। माटिया हाई स्कूल में शुक्रवार को जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। बच्चों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों एवं रामायण के शानदार मंचन से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों राकेश, शालिनी, मंजू, निशा, कविता, रीना, सुष्मा, निर्मला, सीता, श्वेता, सपना, नेहा, साक्षी, बत्रा एवं रौतू, अरुणा का विशेष योगदान रहा। डायरेक्टर सुमित चावला प्रधानाचार्य अंजू चावला ने सभी विद्यार्थियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

जन्माष्टमी पर दिया प्रेम का संदेश



रोहतक। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, बंगलुरु केंद्र तथा सिद्धेश्वर स्नातन संसार, बृहन्नरूपि आश्रम, तिरुपति के तत्वावधान में शुक्रवार रात दू पैसेस गाउंड्स स्थित रॉयल सीनेने में कृष्ण जन्म महामहोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। सिद्धेश्वर बृहन्नरूपि ने कहा कि जीवनों में मनुष्य को कभी हार नहीं मानी चाहिए। श्रीकृष्ण का जीवन धैर्य, विश्वास और मरुतन के साथ कठिन परिस्थितियों का सामना करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्रोध, चिंता, ईर्ष्या और अहंकार मन की शांति नष्ट करते हैं।

जीडी गोरंका में मनाया शिक्षक दिवस



रोहतक। जी डी गोरंका इंटरनेशनल स्कूल रोहतक में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमाय वातावरण में मनाया गया।विद्यालय की निदेशक डॉ. मनीषा मायान ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या सविता हुड्डा ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन में आगे बढ़ने की सही दिशा भी प्रदान करते हैं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा गुलिया ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।

पीजीआई में मनाया शिक्षक दिवस



रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, चिकित्सकों और फैकल्टी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इसी कम में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (पीजीआईडीएस), रोहतक के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग में शिक्षक दिवस समारोह बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। डॉं मंजूनाथ बी सी ने बताया कि विभाग में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को उपहार भेंट कर सम्मान व्यक्त किया और उनके मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. मनजूनाथ बीसी, डॉ. आदर्श, डॉ. विपुल, डॉ. भावना और डॉ. करपना मौजूद रहे। इस अवसर पर पीजी विद्यार्थी डॉ. नवीन, डॉ. कमुप्रिय, डॉ. पूजा, डॉ. अभिषेक, डॉ. शुभांगी, डॉ. करण, डॉ. गुरलीन कौर आदि मौजूद रहे।

सरकारी नौकरी के लिए जरूरी कंप्यूटर कोर्सेस

WINTRON

CCC/BCC/ 'O' Level

DATA ANALYST BASIC COMPUTER

PYTHON CYBER SECURITY

A I C, C++, JAVA, HTML

TALLY ERP-9 BUSY WITH GST

WEB DESIGNING DIGITAL MARKETING

ENGLISH & HINDI TYPING

AUTOCAD (2D/3D) DCA / DCAA/ 'A' Level

PHOTOSHOP & CORELDRAW

236 R, Tikona Park, Model Town, NR Power House, Rohtak

Mob No-7404288876, 7419488930

अध्यापक विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों का करते हैं विकास

शिक्षक राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव करते हैं मजबूत : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ॥ रोहतक

अध्यापक दिवस के अवसर पर उपायुक्त सतबीर सिंह ने जिला के सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सतबीर सिंह ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। एक अच्छे शिक्षक का मार्गदर्शन विद्यार्थी के जीवन की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

उन्होंने कहा कि भारत में हर वर्ष 5 सितंबर को महान शिक्षाविद एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर अध्यापक दिवस मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन का जीवन शिक्षा के प्रति समर्पण और ज्ञान की महत्ता का प्रेरणादायक उदाहरण है। उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। डिजिटल तकनीक और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का विकास करना भी आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने सभी शिक्षकों के स्वस्थ, सुखी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनके समर्पण और मेहनत से ही मजबूत समाज तथा सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।

नेत्रहीन बच्चों ने केक काटकर मनाया शिक्षक दिवस

रोहतक। नारी उदय फाउंडेशन द्वारा संचालित कपिल अंध प्रकाश विद्यालय के नेत्रहीन बच्चों ने शिक्षक दिवस बेहद हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा स्वागत गीत गाना की गई। इस दौरान विशेष रूप से तैयार किए गए माहौल में बच्चों ने अलग-अलग अध्यापकों की भूमिका निभाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और केक काटकर इस पावन पर्व को धूमधाम से मनाया। बच्चों के इस अनूठे अंदाज ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में संस्था की निदेशिका रानी हुड्डा अहलावत, प्रिंसिपल गणेश खरात, सेक्रेटरी विनय अहलावत, सुपरवाइजर सुरेंद्र अहलावत, अध्यापक दीपक कुमार, विकास राय, श्रुति देवी, सहयोगी रोहित विचारी सहित सभी नेत्रहीन बच्चे और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।



महिला कॉलेज लाखन माजरा में लगाया उद्यमिता पखवाड़ा

रोहतक। राजकीय महिला महाविद्यालय, लाखन माजरा में विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में उद्यमिता पखवाड़े का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या डॉ. इंदु सपरा के कुशल मार्गदर्शन में प्लेसमेंट सेल एवं इंटरशिप सेल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। पखवाड़े के दौरान उद्यमिता दिवस उत्सव, नारा लेखन एवं विचार-सुजन जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने अपने रचनात्मक विचारों के माध्यम से स्वरोजगार, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के महत्त्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। यह आयोजन छात्राओं में उद्यमशील सोच, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने की दिशा में पहल रहा तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को रेखांकित करता है।

पठानिया पब्लिक स्कूल में करियर सेमिनार: फिल्म मीडिया व एवीजीसी सेक्टर में भविष्य तलाश रहे विद्यार्थी

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए 'किफ्टिव हॉरीजोन: करियर पाथ इन फिल्म, मीडिया और एवीजीसी' विषय पर विशेष करियर सेमिनार का आयोजन किया गया। आर वी. यूनिवर्सिटी, बंगलुरु के स्कूल ऑफ फिल्म और किफ्टिव आर्ट (एसओएफएमसीए) के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक विकल्पों से हटकर तकनीकी और रचनात्मक क्षेत्रों से जोड़ना था। डॉ। एसओएफएमसीए की चेंयरपर्सन डॉ. किटी मुखर्जी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए रचनात्मक उद्योगों के बदलते स्वरूप और रोजगार के नए अवसरों पर प्रकाश डाला। विद्यालय निदेशक अंशुल पठानिया ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी रुचियों के अनुसार सही करियर चुनने में मदद करते हैं। इस अवसर पर सह-संस्थापक वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति दांडा और अकादमिक कोऑर्डिनेटर आलोक हुड्डा भी उपस्थित रहे।



छात्रों को निवेश पर किया जागरूक

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में प्लानिंग फॉर्म एंड कॉमर्स समिति के तत्वाधान में वित्तीय साक्षरता जागरूकता विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता पंकज सेतिया जनरल मैनेजर आरबीआई, चंडीगढ़ ने विद्यार्थियों को बचत, निवेश और डिजिटल लेनदेन में सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।इस व्याख्यान में प्लानिंग फोरम एंड कॉमर्स समिति की संयोजिका डॉ रेनु व अन्य सदस्य डॉ पुष्पदीपा डोगरा, डॉ सविता, डॉ दिलीप कौर, डॉ पूजा, डॉ मंजू, डॉ कविता, डॉ भूमिका,डॉ मुकुंश व डॉ दीपक मौजूद रहे। इस व्याख्यान में लगभग 100 छात्राएं मौजूद रही।

अर्पण इंस्टीट्यूट में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस



आर्य स्कूल में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किए पेश



महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदनौ में शिक्षक दिवस एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर के सामने माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। विद्यार्थियों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। समारोह का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा की गई शिक्षकों की मनोरंजक निमिक्री रही। बच्चों ने अपने शिक्षकों को हवा-भाव और पढ़ाने के अंदाज को इतने शानदार और हास्यपूर्ण तरीके से मंच पर प्रस्तुत किया। कि पूरा पंडाल हंसी और तारियों की गड़गड़ाहट से भुंज उठा।

रोटरी क्लब ऑफ रोहतक ने 40 शिक्षकों को किया सम्मानित



रोहतक। रोटरी क्लब ऑफ रोहतक द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर धनवंती आर्या गर्ल्स हाई स्कूल, रोहतक में शिक्षक दिवस समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 40 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मान देना तथा समाज निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना था। सम्मानित शिक्षकों को प्रदान किए गए उपहार प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर रोटेरियन डी. एस. धववार द्वारा प्रायोजित किए गए। कार्यक्रम में रोटेरियन डॉ. सुनील मुंजाल, अध्यक्ष, रोटेरियन एस. के. सचदेवा, सचिव, रोटेरियन एस. एल. वर्मा, रोटेरियन डॉ. आर. के. चौधरी, क्लब डायरेक्टर, रोटेरियन डॉ. रमेश चितकारा आदि मौजूद रहे।



एमडीयू के मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी केंद्र में मनाया शिक्षक दिवस

रोहतक। एमडीयू के सेंटर फॉर मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी (सीएसबीटी) में शिक्षक दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने भाषण, गायन और नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सीएसबीटी के निदेशक डॉ. हरि मोहन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया के दौर में शिक्षक की बदलती भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रो. अमिता सुनेजा डांग ने जेनरेशन-जेड के विद्यार्थियों की आकांक्षाओं और संवाद शैली को समझने पर बल दिया।

गोगा नवमी पर्व पर समचाना में लगा वार्षिक मेला

सांपला। गोगा नवमी के अवसर पर शनिवार को खंड के गांव समचाना में पारंपरिक वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में गांव के लोगों के साथ-साथ आसपास के कई गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और नागदेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मेले की शुरुआत सुबह नागदेव मंदिर में हवन-यज्ञ के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना की और नागदेव के समक्ष माथा टेककर आशीर्वाद लिया। इसके बाद मंदिर परिसर में भंडारा खुश किया गया, जो शाम तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। दिनभर मंदिर में दर्शन के लिए लोगों का आवागमन लगा रहा। ग्रामीणों ने बताया कि समचाना में गोगा नवमी के अवसर पर लगने वाला यह मेला कई वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। मेले को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह रहता है और आसपास के गांवों के लोग भी इसमें श्रद्धा के साथ शामिल होते हैं। धार्मिक आयोजन के साथ मेले में ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं की भी झलक देखने को मिली।

रक्तदाताओं को किया सम्मानित

सांपला। शनिवार को भारत विकास परिषद सांपला शाखा द्वारा शिक्षक दिवस एवं गोगा नवमी के अवसर पर गांव समचाना नागदेव मंदिर प्रांगण में रक्तदान शिविर लगाया। जिसमें लोगों ने 90 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में एक दिल्ली रेडक्रॉस से थैलीसीनिया की टीम और दिल्ली एक्स से अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की टीम ने भाग लिया।सभी रक्तदाताओं को शाखा सचिव सुनील शर्मा, कोषाध्य महेश बंसल, पूर्व अध्यक्ष राजेश बंसल द्वारा प्रशंसा पत्र भी दिए गए।



रोहतक। अर्पण इंस्टीट्यूट में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल इंचार्ज नीलम कटारिया एवं डी.डब्ल्यू.ओ. रेनु सिसोदिया ने सभी स्टाफ सदस्यों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। स्नेहा, रोहित, दक्ष, विन्नी एवं विवम ने शिक्षकों की भूमिका निभाकर कार्यक्रम को विशेष रूप से आकर्षक बनाया। ररसाकशी प्रतियोगिता में कृष्ण, दक्ष, गौतम, सानिया, अक्षत, अनमोल, दांशु एवं मानव ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजू, नरेश, उषाति, मीनाक्षी, मीना, आशा, राधा, बबली, निर्मल, सुरेश, मनजीत, सुकन्या, सरोज एवं संतोष ने मिलकर महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

एमडीयू के भूगोल विभाग में विद्यार्थियों ने मनाया शिक्षक दिवस



रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के भूगोल विभाग में शिक्षक दिवस विद्यार्थियों द्वारा उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों का आभान किया कि वे 'पंच परिवर्तन' को अपने जीवन का हिस्सा बनाते हुए व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। विभाग के शिक्षकों प्रो. सचिंद्र, डॉ. राजेश, डॉ. प्रदीप एवं डॉ. शैलेश कलकल ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, सकारात्मक सोच रखने और अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षक भविष्य का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक : डॉ. तरन्जुम

रोहतक। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) के समारार में विशेष शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। र्पक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह के दौरान जिला रोहतक के पांचों ब्लॉकों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पांच शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में डॉ. कविता नवाला, राकेश कुमार, सुधीर कुमार रमेश चिटकारातथा श्याम कुमारशामिल रहे। डॉ. तरन्जुम खान ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह उनके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य का निर्माण करने वाला सच्चा मार्गदर्शक होता है।



विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की महत्ता के बारे में जानकारी दी

रोहतक। नेकी राम शर्मा गवर्नमेंट कॉलेज के भूगोल विभाग में शिक्षक दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष डॉ गुलशन कुमार ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को देश का अच्छा नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया और साथ ही समझाया कि उन्हें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी ध्यान रखना चाहिए।इस अवसर पर डॉ उर्मिला समरवाल, डॉ. कुलदीप कुमार व विभाग के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे।



जिलेभर में मनाया शिक्षक दिवस

एचडी स्कूल में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस



रोहतक। बहुअकबरपुर स्थित एच.डी. पब्लिक स्कूल में अध्यापक दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।हेड बॉय आदि ने एक दिन के लिए निदेशक और हेड गर्ल श्रुति ने शैक्षणिक निदेशिका की भूमिका संभालकर विद्यालय का संचालन किया। निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए सभी को अध्यापक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

वेद मॉडल कलानौर में मनाया शिक्षक दिवस



कलानौर। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर वेद मॉडल कलानौर में हर्षोल्लास और उत्साह का माहौल रहा। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया। विद्यालय प्रबंधन एवं प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र, व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक होता है।

द आर्यन स्कूल में उत्साह से मनाया शिक्षक दिवस



रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में शिक्षक दिवस अत्यंत हर्षोल्लास और कृतज्ञता के साथ मनाया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों की भूमिका का रोल-प्ले रहा, जिसे नन्हे-नन्हे बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास से निभाया। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशक सुनीता अहलावत और प्रधानाचार्य आर. के. खन्ना ने शिक्षकों को स्नेह-स्वरूप उपहार भेंट किए। साथ ही, रोटरी क्लब के सदस्यों ने भी शिक्षकों का अभिनंदन कर उनके अमूल्य योगदान को सराहा।

एचडी स्कूल में जन्माष्टमी व शिक्षक दिवस की धूम



रोहतक। एच.डी. पब्लिक स्कूल, बालंद, रोहतक में शिक्षक दिवस एवं जन्माष्टमी का उत्सव हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कृतज्ञता, भक्ति, संस्कृति और आपसी सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिला। अध्यक्ष जयपाल सिरोहा ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता और समर्पित प्रयासों की सराहना की। यह समारोह कृतज्ञता, आध्यात्मिकता, संस्कृति और एकजुटता का सुंदर संगम बनकर सभी के मन में सुखद एवं अविस्मरणीय स्मृतियाँ छोड़ गया।

गुरु-भविष्य को समर्पित रहा शिक्षक दिवस समारोह



रोहतक। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वावधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संस्कृत शिक्षा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने कहा कि "शिक्षक केवल पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार एवं उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष उद्योगपति राम चिंग, प्रबंधक रामचरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एस.के. गुप्ता, बीना कौशिक एवं डॉ. दिनेश मदान ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी।

जॉन वेस्ले में हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस



रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर विद्यालय परिसर कृतज्ञता, सम्मान और उल्लास की भावनाओं से सराबोर नजर आया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति प्रेम, सम्मान एवं आभार व्यक्त करते हुए इस विशेष दिन को यादगार बना दिया। विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक ने भी सभी शिक्षकों के योगदान की सराहना की। समारोह के अवसर पर उप-प्रधानाचार्या मधुलिका सिंह, इंचार्ज दफ्तरा व शिक्षक उपस्थित रहे।

वीएन मैमोरियल स्कूल में मनाया अध्यापक दिवस



रोहतक। विनोद नंदल मैमोरियल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अध्यापक दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम बारहवीं कक्षा की छात्रा सुमिक्षा ने अध्यापक दिवस पर शिक्षाप्रद भाषण दिया। च्यों ने अध्यापकों के विभिन्न खेलों का आयोजन करवाया। सर्वप्रथम अध्यापकों की दो टीम आयोजित की गई तथा फिल्मी गाने व डांस के लिए हॉलित किया। प्रधानाचार्य राजेश हुड्डा ने शिक्षक दिवस पर अत्यंत शिक्षाप्रद भाषण दिया।

दा रॉयल सही राम में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस



महम। कस्बा महम के भराण रोड पर स्थित दा रॉयल सही राम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विद्यालय निदेशक डॉक्टर प्रदीप भारद्वाज ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। कहा कि शिक्षक किसी भी देश के भविष्य का निर्माता होता है। शिक्षक के त्याग और तपस्या से ही बच्चे बड़े होकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देते हैं। छात्र छात्राओं ने भी अपने गुरुजनों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। विद्यार्थियों ने इस मौके पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सभी ने शिक्षक दिवस को यादगार बनाने में अपना योगदान दिया।

खबर संक्षेप

गाड़ी व मोबाइल लूट में इनानी आरोपी दबोचा
रोहतक। तीन साल पहले में गाड़ी व मोबाइल लूट के मामले में रोहतक पुलिस ने पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान जौद के पटियाला चौक निवासी शुभम पुत्र प्रसाद के रूप में हुई है। आरोपी को अकदलत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि वेद नगर, जौद निवासी प्रिंस ने शिकायत में पेश कर उसके दोस्त नमन को दिल्ली से जौद जाते समय भगवतीपुर के पास आर्टिका चालक ने अपनी गाड़ी आगे लगाकर रुकवा लिया और उन्हें पीटकर गाड़ी व मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए।

महम चीनी मिल में किसान पंचायत कल
महम। गन्ने का रेट बढ़ाकर 550 रुपए प्रति क्विंटल किए जाने और गन्ना किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर सोमवार 7 सितंबर को सुबह 11 बजे महम चीनी मिल में किसान पंचायत होगी। किसान नेता बलवान सिंह ने किसानों से इस पंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

सुनैना चौटाला कल महम हलके में
महम। इनैलो महिला विंग की प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला 7 सितंबर को महम हलके के गांवों में जनसभाओं को संबोधित करेंगी। पार्टी प्रवक्ता संदीप नहरा ने बताया कि 27 सितंबर को नूंह में पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल का 113 वां जन्मदिन मनाया जाएगा। सम्मान दिवस समारोह का न्योता देने के लिए सुनैना चौटाला 7 सितंबर को सुबह 9 बजे महम के गांव निन्दाना, 10 बजे भराण, 11 बजे अजाजवा, 12 बजे खट्टी, 1 बजे घडोटी और 2 बजे नांदल में ग्रामीणों को संबोधित करेंगी।

चिड़ी में हरहित स्टोर से नकदी व सामान चोरी
महम। लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव चिड़ी में हरहित किरयाणा स्टोर में किसी ने हजारों रुपए की नकदी व सामान चोरी कर लिया। इस संबंध में स्टोर संचालक अजय कुमार पुत्र ओमप्रकाश ने बताया कि गांव में फिरनी पर उसने हरहित किरयाणा स्टोर बनाया हुआ है। यह धनाना रोड पर है। रात को चोर उसके स्टोर का ताला तोड़कर 86300 रुपये, बीटा घी के 12 पैकेट, मधुसूदन घी के 12 पैकेट, सिगरेट के 22 पैकेट, प्रीत धी के दो पैकेट व दुकान के बिल और उसके जरूरी दस्तावेज ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

मकान के बाहर खड़ी एक्टिवा ले गए चोर
रोहतक। सेक्टर 1 में मकान के बाहर खड़ी एक्टिवा रात को चोरी हो गई। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रतीक पुत्र प्रमोद कुमार ने थाना अर्बन एस्टेट पुलिस को शिकायत दी कि वह सेक्टर-1 में किराये पर रहता है। उसने बताया कि रात 8 बजे अपनी एक्टिवा घर के बाहर खड़ी की थी। अगले दिन एक्टिवा वहां नहीं थी। आसपास तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

तैयारी आयुष्मान मरीजों को बड़ी राहत, हेल्थ विवि के कुलपति ने जारी किए आदेश

पीजीआई उठाएगा बाहर होने वाले टेस्ट का खर्च

हरिभूमि न्यूज़ ॥ रोहतक

बीमारी से जूझ रहे गरीब मरीज के लिए डॉक्टर की फीस भले ही माफ हो, लेकिन जब किसी जरूरी जांच के लिए उस अस्पताल से बाहर की निजी लैब का रास्ता दिखाना जाता था तो इलाज की चिंता के साथ जेब खाली होने का डर भी सताने लगता था। कई बार महंगे टेस्ट के पैसे जुटाना मरीज और उसके परिवार के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता था। अब ऐसे मरीजों को इस परेशानी से राहत मिलने जा रही है। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (पीजीआईएमएस) ने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के हित में बड़ी फैसला लिया है। संस्थान में उपलब्ध नहीं होने वाले जरूरी टेस्ट अब मरीजों को अपनी जेब से नहीं करवाने पड़ेंगे। इन जांचों का खर्च संस्थान प्रशासन खुद वहन करेगा।

पड़ता था आर्थिक बोझ

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अगवाल ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। संस्थान में हरियाणा के अलावा पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। आयुष्मान योजना के तहत उनका उपचार तो हो जाता है, लेकिन कुछ विशेष जांचें संस्थान में उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें निजी लैब में जाकर अपने पैसे से टेस्ट करवाने पड़ते थे। इससे मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था। अब इस समस्या का स्थायी समाधान करने की दिशा में कदम उठाया गया है।

निजी लैब के साथ होगा एमओयू

प्रशासन जल्द ही एक निजी डायग्नोस्टिक लैब के साथ एमओयू करेगा। इसके तहत संस्थान में उपलब्ध नहीं होने वाली जरूरी जांचें आयुष्मान लाभार्थियों की मुफ्त में करवाई जाएंगी। इन जांचों का शुगतान मरीज नहीं, बल्कि पीजीआईएमएस प्रशासन करेगा।

हर विभाग से मांगी जरूरी जांचों की सूची

संस्थान में कौन-कौन से ऐसे टेस्ट उपलब्ध नहीं हैं, जिनकी मरीजों के इलाज के लिए जरूरत पड़ती है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। सभी विभाग/एडवाइजरी से ऐसे लेबोरेटरी टेस्ट और जांचों की सूची मांगी गई है, जो मरीजों के सही निदान और उपचार के लिए जरूरी हैं, लेकिन फिलहाल संस्थान की जांच सेवाओं में उपलब्ध नहीं हैं। विभागों को कम से कम समय में सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

मरीजों की परेशानी होगी कम

इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा उन मरीजों को मिलेगा, जिनके परिवार इलाज के साथ महंगी जांचों का खर्च उठाने की स्थिति में नहीं है। बाहर जाकर टेस्ट करवाने के लिए उन्हें अस्पताल से निकलने, निजी लैब तलाशने और पैसे की व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जांच समय पर होने और रिपोर्ट जल्दी मिलने से डॉक्टर भी मरीज का उपचार जल्द शुरू कर सकेंगे। इससे हजारों मरीजों को फायदा होगा। डॉ. एचके अगवाल, कुलपति हेल्थ विवि

मीम अवाड़ी मनोज एशियन गेम्स में फिर इंडियन 50 मीटर राइफल टीम के हेड कोच बने

रोहतक। जिला के मोरखेड़ी गांव निवासी भीम अवाड़ी एवं अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता मनोज कुमार ओहल्यान एशियन गेम्स में भारतीय निशानेबाजी टीम के 50 मीटर राइफल इवेंट के हेड कोच नियुक्त किए गए हैं। इस उपलब्धि पर गांव मोरखेड़ी में खुशी का माहौल है। एशियन गेम्स 2023 में भी भारतीय 50 मीटर राइफल टीम के हेड कोच थे। उनके नेतृत्व में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक जीते थे। इनमें सिफ्ट कौर समरा का विश्व रिकॉर्ड के साथ व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी शामिल था। इसके अलावा पुरुष टीम ने स्वर्ण, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने व्यक्तिगत चाकरी, महिला टीम ने रजत और आशी चौकसी ने व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता था। उनके नेतृत्व में भारतीय पुरुष 50 मीटर राइफल श्री पोजीशन टीम ने 2023 विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीतकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। मनोज कुमार स्वयं एक सफल अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज रहे हैं और देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं। खेलों में उनके योगदान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित भीम अवाड़ी से सम्मानित किया जा चुका है।

रोहतक की दो बेटियों का एशियन गेम्स में चयन

रोहतक। खेल नगरी रोहतक की दो प्रतिभावान महिला पहलवानों का चयन एशियन गेम्स के लिए हुआ है। मानसी और मनीषा आगामी सितंबर माह में आयोजित होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। दोनों पहलवान स्थानीय छोट्टराम स्टेडियम में कोच मनदीप की देखरेख में पसीना बहाती हैं। इस उपलब्धि पर कोच मनदीप ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी मुकामलों में भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

मानसी और मनीषा कुश्ती में दिखाएंगी दम, संघर्ष से लिखी कामयाबी की कहानी एशियन गेम्स के दिन हुआ पिता का निधन, फिर भी खेली; जीता कांस्य

साधारण परिवार , असाधारण हौसला जुनून के आगे छोटी पड़ीं मुश्किलें

मनीषा ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में केवल फिट रहने के लिए कुश्ती खेलना शुरू किया था, लेकिन धीरे-धीरे इसमें उनकी गहरी रुचि बन गई। उनके जीवन में एक ऐसा कठिन दौर भी आया जब वर्ष 2022 में सीनियर एशियन गेम्स में भाग लेने के दिन ही उनके पिता सुरेश का निधन हो गया था। उसी शाम उनकी फ्लाइट थी। गहरे मानसिक आघात और दुख के साथ वे प्रतियोगिता के लिए रवाना हुईं, लेकिन अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए उन्होंने देश के लिए कांस्य पदक जीता। सन सिटी, रोहतक में रहने वाली मनीषा छोट्टराम स्टेडियम में अभ्यास करती हैं और

मनीषा की कीर्ति

2025 जुलाई में हुई चौथी रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता। 2025 मार्च में हुई एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 2016 साउथ एशियन में स्वर्ण पदक, 2017 कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य, 2022 वर्ल्ड रैंकिंग में स्वर्ण और 2023 वर्ल्ड रैंकिंग में कांस्य पदक जीता। 2025 में एशियन चैंपियनशिप में चैंपियन बनी हैं। 17 साल बाद कोई भारत की लड़की चैंपियन बनी है। फरवरी 2026 में रैंकिंग सीरीज में स्वर्ण पदक जीता।

वर्तमान में आउटस्टैंडिंग स्पোর্ट्सर्सन (ओएसपी) कोटे के तहत रोहतक में जूनियर कोच के पद पर सेवाएं दे रही हैं।



कोच के साथ मनीषा और मानसी



रोहतक। नामांकन फार्म दाखिल करवाने जाते वर्तमान प्रधान दीपक हुड्डा।



रोहतक। समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करवाते पूर्व प्रधान अरविंद श्योराण।



महम। चुनाव अधिकारी नामांकन पत्र सौंपते एडवोकेट सत्येंद्र यादव।

बार एसोसिएशन चुनाव: अंतिम दिन 44 उम्मीदवारों समेत कुल 57 ने भरे पर्चे प्रधान के 8, महासचिव के 5 और लाइब्रेरी इंचार्ज पद पर 9 दावेदारों ने किया नामांकन

हरिभूमि न्यूज़ ॥ रोहतक

जिला बार एसोसिएशन की चुनावी तस्वीर अब सामने आने लगी है। प्रधान पद की कुर्सी के लिए इस बार आठ दावेदार आमने-सामने हैं, जिससे मुकाबला खासा दिलचस्प हो गया है। नामांकन के दूसरे और अंतिम दिन शुक्रवार को विभिन्न पदों के लिए 44 अधिकवक्ताओं ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। पहले दिन 13 नामांकन हुए थे। इस तरह दो दिनों में कुल 57 नामांकन दाखिल किए गए हैं। अब 7 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी के बाद तस्वीर और साफ होगी।

प्रधान पद के लिए दूसरे दिन सात अधिकवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किया। इनमें वर्तमान प्रधान दीपक हुड्डा, पूर्व प्रधान अरविंद श्योराण, पूर्व प्रधान दीपक कुंडू, पूर्व प्रधान उमेश भारद्वाज, हरि स्वरूप हुड्डा, रजनीश हुड्डा और तेजवीर कुंडू शामिल हैं। पहले दिन दीपक भारद्वाज ने नामांकन दाखिल किया था। इस तरह प्रधान पद पर कुल 8 प्रत्याशी मैदान में उतर गए हैं। आठ उम्मीदवारों के मैदान में होने से अब बार चुनाव में मुकाबला बहुकोणीय हो गया है और अधिकवक्ताओं की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि अंतिम दौर में कौन-कौन प्रत्याशी मैदान में कायम रहते हैं। महासचिव पद के लिए दूसरे दिन राकेश पंचाल, हर्षवर्धन मलिक, बीरेन सुहाग और अजय ओहलान ने नामांकन दाखिल किया। पहले दिन करण सिंह नारंग ने पर्चा भरा था। इस तरह महासचिव पद पर कुल 5 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।



रोहतक। समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करवाते लाइब्रेरी इंचार्ज पद के दावेदार तरुण कुमार।

उपप्रधान के लिए 10 मैदान में

उपप्रधान पुरुष पद के लिए दूसरे दिन मनीष कोशिक, आशीष हुड्डा और संदीप खत्री ने नामांकन दाखिल किए। पहले दिन नरेंद्र कुमार रोहिल्ला ने नामांकन भरा था। इस पद पर अब कुल 4 प्रत्याशी हो गए हैं। सह सचिव पद के लिए साक्षी लॉबा और प्रियंका ने नामांकन दाखिल किया। इस पद पर फिलहाल केवल दो प्रत्याशी हैं। महिला उपप्रधान पद के लिए दूसरे दिन तुषा शर्मा, किरण देवी श्योराण, सुशीला देहवाल और रीना लौरा धनखंड ने नामांकन दाखिल किए। पहले दिन कविता शर्मा और रंजना रापड़िया ने नामांकन किया था। इस तरह महिला उपप्रधान पद पर कुल 6 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। लाइब्रेरी इंचार्ज पद भी इस बार खासा रोचक नजर आ रहा है। दूसरे दिन देवदत्त शर्मा, निक्कू टांक, धर्मेन्द्र हंस, तरुण कुमार, मनजीत सिंह दाहिमा और हेमंत लड़वाल ने नामांकन दाखिल किया। पहले दिन तीन नामांकन हुए थे। इस तरह इस पद पर कुल 9 प्रत्याशी मैदान में हैं।

कार्यकारी सदस्य के 23 आवेदन

कार्यकारी सदस्य पद के लिए दूसरे दिन 21 पुरुष और 2 महिला अधिकवक्ताओं ने नामांकन दाखिल किया। महिला उम्मीदवारों में निर्मला देवी रहिल और रेनु शर्मा शामिल हैं। इस पद पर कुल 23 अधिकवक्ता मैदान में हैं। असिस्टेंट रेटिनिंग ऑफिसर सुरेंद्र कुमार लौरा ने बताया कि अब अंतिम मतदाता सूची का इंतजार है। मतदाता सूची की लेकर प्राप्त सभी दवाों और आपत्तियों को बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा को भेज दिया गया है। बार काउंसिल की ओर से अंतिम मतदाता सूची जारी होते ही इसे सभी उम्मीदवारों को उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला बार एसोसिएशन रोहतक के इतिहास में पहली बार चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टेलेटैब मतदाता सूची करीब एक माह पहले ही उम्मीदवारों को उपलब्ध करवा दी गई थी।

कल होगा अगला बड़ा पड़ाव

नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी की निगाहें 7 सितंबर पर टिक गई हैं। इस दिन नामांकन पत्रों की स्कूटीनी और नाम वापसी की प्रक्रिया होगी। इसके बाद ही पता चलेगा कि आठ उम्मीदवारों वाला प्रधान पद का मुकाबला कितने प्रत्याशियों के बीच रह जाता है। फिलहाल नामांकन के आंकड़ों ने जिला बार एसोसिएशन के चुनाव को इस बार खासा रोचक बना दिया है। रेटिनिंग ऑफिसर ओमप्रकाश पुनिया ने बताया कि चुनाव को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने तथा मतदान के बाद जल्द परिणाम घोषित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन से ईवीएम और आधार बायोमेट्रिक मशीन उपलब्ध करवाने की मांग की गई है।

महम: प्रधान के लिए 4 ने भरा पर्चा

महम। 11 सितंबर को बार एसोसिएशन महम का चुनाव होगा है। इसके लिए 3 व 5 सितंबर को नामांकन पत्र दाखिल किए गए। चुनाव अधिकारी रोहतास राठी ने बताया कि 5 सितंबर को नामांकन जमा करवाने का अंतिम दिन था। इस दिन प्रधान पद के लिए 4 वक्ताओं ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रधान पद के लिए सत्येंद्र यादव, सोनबीर गोयत, प्रदीप गोयत व प्रवीण गोयत ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उपप्रधान पद के लिए केवल एक ही आवेदन आया। मनीषा सिवाच ने उपप्रधान पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। एक ही फार्म आने से उनका निर्विरोध चुनाव हो गया है। महासचिव पद के लिए अहुल सिवाच और आशीष सिंघल ने अपना नामांकन पत्र जमा करवाया है। सहसचिव पद के लिए केवल एक ही आवेदन आया। नीलम राणा को निर्विरोध सहसचिव चुन लिया गया है।

मकड़ीली टोल के पास

हादसा, छात्र अस्पताल में भर्ती

समेत सड़क पर जा गिरा और उसके सिर, हाथ-पैर सहित पूरे शरीर पर चोटें आईं। हादसे के बाद कार चालक रुकने के बजाय मौके से फरार हो गया। राहगीर ने छात्र के परिजनों को फोन कर हादसे की सूचना दी, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया। गांव बडोता, जिला सोनीपत निवासी विकास कुमार ने थाना सदर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका 21 वर्षीय बेटा सक्षम बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी रोहतक में बीबीए फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा है। वह रोजाना बाइक से घर से यूनिवर्सिटी आता-जाता है।

यूनिवर्सिटी के लिए निकला था सक्षम

विकास के अनुसार 4 सितंबर को सक्षम रोजाना की तरह बाइक पर सवार होकर घर से यूनिवर्सिटी के लिए निकला था। जब वह मकड़ीली टोल पार करके हिसार-दिल्ली रोड पर रोहतक आउटर बाईपास के पास पहुंचा तो टोल की तरफ से एक कार तेज गति से आई। शिकायत के अनुसार पोलो, काले रंग की थी। चालक कथित तौर पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था। उसने सक्षम की बाइक में पीछे से टक्कर मार दी।

छात्र बेसुध, कार चालक मौके से फरार

कार की टक्कर लगते ही सक्षम सड़क पर जा गिरा। हादसे में उसके सिर, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गया। हादसे के बाद कार चालक कार समेत मौके से फरार हो गया। एक राहगीर ने सक्षम के परिजनों को फोन कर हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद विकास और उसके परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, घायल सक्षम को बयान देने के लिए डॉक्टर ने फिलहाल अनफिट फॉर स्टेटमेंट घोषित किया। इसके बाद उसके पिता विकास कुमार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया।

फोन पर बात कर रही महिला के गले से चेन तोड़कर भागे बदमाश

स्कूटी सवार दो युवकों ने दिया वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज़ ॥ रोहतक

गाड़ी का शीशा खुला था और महिला बेफिक्र होकर फोन पर बात कर रही थी। पति कुछ दूरी पर चिट्ठियों को आटा डालने के लिए गया हुआ था। इसी बीच अचानक एक युवक गाड़ी के पास पहुंचा और पलक झपकते ही महिला के गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ दी। महिला ने शोर मचाया तो पति दौड़कर पहुंचा, लेकिन तब तक बदमाश सड़क पार खड़ी सफेद स्कूटी पर सवार अपने साथी के साथ फरार हो चुका था।

वारदात गोहाणा गोल चक्कर के पास हुई। बदमाश महिला की करीब 22 ग्राम सोने की चेन और ऊं का लॉकेट लेकर फरार हो गए। हनुमान कॉलोनी निवासी संतोष कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 5 सितंबर को अपने पति जोगिन्द्र सिंह के साथ कार में सवार होकर किसी काम से गोहाणा रोड स्थित बीटा प्लॉट के पास गई थी। इसके बाद दोनों कार में बैठकर गोहाणा गोल चक्कर की तरफ ठेका

चेन में लगा था सोने का ऊं आकार का लॉकेट

संतोष ने बताया कि उसके गले से झपटी गई सोने की चेन का वजन करीब 19.5 ग्राम था। उसमें 2.5 ग्राम का सोने का ऊं का लॉकेट लगा था। इसके बाद संतोष अपने पति के साथ पुलिस चौकी सुखपुरा पहुंची और लिखित शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी।

शराब के नजदीक रॉन्ग साइड से आउटर जौद रोड पर करीब 100 मीटर आगे गए थे। शिकायत के अनुसार, संतोष और उसका पति वहां चिट्ठियों को आटा डालने के लिए गए थे। इस दौरान संतोष कार में बैठी हुई थी। उसने कार का शीशा खोल रखा था और फोन पर बात कर रही थी। तभी एक युवक कार के पास आया और उसके गले से सोने की चेन झपटकर सड़क के दूसरी तरफ भागा। वहां उसका साथी पहले से सफेद स्कूटी पर मौजूद था। दोनों आरोपी गोहाणा गोल चक्कर की तरफ भाग गए। शोर मचाने पर उसका पति तुरंत उसके पास आया, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।

खबर संक्षेप

नेत्र जांच शिविर में 358 मरीजों को जांच
रोहतक। जन सेवा संस्थान रोहतक की ओर से भिवानी रोड स्थित वृद्ध आश्रम में निःशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर लगाया गया। संस्थान अध्यक्ष महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज दुआ ने 358 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां दीं। जांच के दौरान 37 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चर्चनित किया गया।

गली में खड़ी स्कॉर्पियो गायब, मामला दर्ज
रोहतक। गांव बलियाणा निवासी सुनील की घर के सामने गली में खड़ी महिंद्रा स्कॉर्पियो रातोंरात चोरी हो गई। सुनील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने रात करीब 11 बजे काले रंग की स्कॉर्पियो घर के सामने खड़ी की थी। सुबह उठकर देखा तो गाड़ी गायब मिली। आईएमटी थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मदद के लिए गांव पहुंचा छात्र पर जानलेवा हमला
महम। गांव पैणोचंद्रपाल में दोस्त की मदद के लिए पहुंचे बीए फाइनल के छात्र साहिल पर युवकों ने लाठी-डंडों और फरसों से हमला कर दिया। खेड़ी महम निवासी साहिल को गंभीर हालत में लाखन माजरा सीएचसी से रोहतक नगरिक अस्पताल और फिर पीजीआई रेफर किया गया। महम थाना पुलिस ने आरोपी, राहुल, साहिल, संजय, किशन, कार्तिक समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकान के सामने से बाइक चोरी, आरोपी गिरफ्तार


रोहतक। सुडाना चौक पर दुकान के सामने से बाइक चोरी के मामले में कलानौर पुलिस ने आरोपी रोहित निवासी बामला,भिवानी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरीशुदा बाइक बरामद कर ली। गांव काहनौर निवासी नवीन ने 30 अगस्त को बाइक चोरी होने की शिकायत दी थी। पुलिस ने 4 सितंबर को आरोपी को काबू किया। अदालत में पेश किया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर अन्य वारदातों में संलिप्तता का पता लगा रही है।

धूमधाम से मनाया गया गोगा नवमी पर्व
महम। शनिवार को उपमंडल महम के गांवों में गोगानवमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। गांवों में गोगापीर को छड़ी निकाली गई। इस दौरान ग्रामीणों ने छड़ी के दर्शन किए। गांव भराण, अजायब, सीसर खास व मोखरा समेत अनेक गांवों में गोगापीर की जयंती पर मेले आयोजित किए गए। कई गांवों में कुश्ती दंगल व कबड्डी का भी आयोजन किया गया। लोकदेवता गोगापीर का जन्म भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को विक्रमी संवत 1003 में हुआ था। वे एक पराक्रमी राजा थे। उन्होंने विदेशी आक्रांता महमद गजनवी के साथ युद्ध किया था। उनकी सांपों का देवता भी माना जाता है। लोग अपने आपको सांपों से सुरक्षित रखने की कामना करते हुए गोगानवमी के दिन उनकी पूजा करते हैं।

सम्मान हरियाणवी अंदाज में धोती-कुर्ता पहन कर राष्ट्रपति से लिया सम्मान

अनिल कौशिक को एक ही दिन मिला राष्ट्रीय और राज्य शिक्षक पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

जिले के शिक्षक अनिल कौशिक को एक ही दिन राष्ट्रीय व राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हरियाणा से एकमात्र और रोहतक के सांघी गणित अध्यापक अनिल कौशिक ने शनिवार को हरियाणा अंदाज में धोती-कुर्ता पहन कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिक्षक सम्मान प्राप्त किया। नई दिल्ली में उनका पूरा परिवार भी राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्ति का साक्षी बना। सांघी राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अध्यापक एवं चिलौड़ खुर्द

पीजीआईएमएस, सामान्य अस्पताल और निजी अस्पतालों में बढ़े मरीज

■ बुखार, खांसी, जुकाम और बदन दर्द के साथ एक सप्ताह तक रह रहे लक्षण

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

मौसम बदलते ही शहर और आसपास के क्षेत्रों में बुखार, खांसी, जुकाम और बदन दर्द के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्थिति यह है कि कई घरों में एक के बाद एक लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। सामान्य वायरल

समझकर शुरुआत में लोग इसे नजरअंदाज कर रहे हैं, लेकिन कई मरीजों को पूरी तरह ठीक होने में एक सप्ताह से दस दिन तक का समय लग रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, मौजूदा लक्षणों के पीछे इंप्लुएंजा वायरस समेत अन्य वायरल संक्रमण हो सकते हैं। खासतौर पर पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए संक्रमण ज्यादा परेशानी पैदा कर सकता है। पीजीआईएमएस, सामान्य अस्पताल सहित शहर के दर्जनों अस्पतालों में बुखार के ऐसे सैकड़ों मरीज रोजाना पहुंच रहे हैं।



31वें दिन भी हड़ताल पर अड़े सफाई कर्मी, शहर में बढ़ी गंदगी

एस्मा की प्रतियां जलाकर सरकार को दी कड़ी चेतावनी

■ हड़ताल स्थल पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी, कार्रवाई से नहीं डरने का एलान

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

नगर निगम रोहतक के कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को 31वें दिन भी जारी रही। हड़ताल स्थल पर कर्मचारियों ने सरकार की ओर से लगाए गए एस्मा (ईएसएमए) की प्रतियां जलाकर रोष जताया। प्रदर्शन की अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रधान शंभू टांक ने की। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्पष्ट किया कि वे किसी भी दबाव या कार्रवाई से पीछे हटने वाले नहीं हैं। प्रधान शंभू टांक ने कहा कि पूरे हरियाणा में हड़ताली कर्मचारियों ने शनिवार को सरकार के मंत्रियों के आवास पर प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों पर कार्रवाई का डर दिखाकर आंदोलन को दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन कर्मचारी किसी भी कार्रवाई से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुलिस सुरक्षा के बीच कूड़ा उठवाकर



शहरों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त होने का ढोंग कर रही है और प्रदेश की जनता को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन भी अच्छी तरह समझता है कि सफाई कर्मचारियों के बिना शहरों में नियमित सफाई व्यवस्था संभव नहीं है। शंभू टांक ने सरकार से मांग की कि यदि उसे प्रदेश की जनता और सफाई व्यवस्था की वास्तव में चिंता है तो 13 मई को कर्मचारियों के साथ हुए समझौते को तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि समझौते को लागू करने के बाद कर्मचारी अपनी द्यूटी पर लौटकर शहरों को दोबारा साफ-सुथरा बनाने में जुट जाएंगे।



ये मौजूद रहे

हड़ताल का संचालन अशोक थोरिया, पूर्व प्रदेश चौफ ऑर्गेनाइजर, नगर पालिका कर्मचारी संघ, कंचल राणा और रवि चह्ना ने किया। प्रदर्शन में राजकुमार टांक, सुरेश पिवाल, शंकर टांक, भीम चावरिया, सुरेंद्र चावरिया, विक्रम बोहर, आजाद दरोगा, योगेश बिडलान और रोहतास बिडलान सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे। महिला विंग से अनिता, सुशीला, उषा, सीमा, शोभा, कमलेश, आशा, पूजा, राघना, रजजना, वर्षा और सुनीता समेत अन्य कर्मचारियों ने भी प्रदर्शन में भाग लिया।

अंडर-16 जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता

■ फरीदाबाद ने महेंद्रगढ़ को 182 रन से दी शिकस्त
■ निखिल और जशन जिंदल ने 4-4 विकेट लेकर बरपाया कहर

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

चौ. बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम (लहलाही) में खेले जा रहे यू-16 इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट 2026-27 में फरीदाबाद और सिरसा की टीमों ने

फरीदाबाद और सिरसा ने दर्ज की शानदार जीत

शानदार जीत दर्ज की। ग्राउंड 'बी' पर फरीदाबाद ने महेंद्रगढ़ को 182 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए फरीदाबाद ने 43.4 ओवर में 236 रन बनाए। रियान दुआ ने 54, पवन कुमार ने 33 तथा निशांत तेवतिया और अखिल भाटी ने 24-24 रन बनाए। महेंद्रगढ़ की ओर से नमन सुनारिया ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए महेंद्रगढ़ की टीम 19.1 ओवर में 54 रन पर सिमट गई। कार्तिक अध्याना ने नौ रन देकर पांच

विकेट और कर्तव्य भारद्वाज ने चार विकेट झटके। दूसरे मुकाबले में सिरसा ने चरखी दादरी को चार विकेट से शिकस्त दी। चरखी दादरी की टीम 42.4 ओवर में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। जैसल श्योराण ने 46 रन बनाए। सिरसा के निखिल और जशन जिंदल ने चार-चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सिरसा ने 25 ओवर में छह विकेट खोकर 106 रन बना लिए। मंजीत नगल ने 23 और हर्ष वर्धन ने नाबाद 18 रन बनाए।

जाट शिक्षा समिति के विकास कार्यों के लिए मिला 6 लाख का सहयोग

रोहतक। जाट शिक्षा समिति को दीनबंधु सर छोटाराम के समाधि स्थल के पुनर्निर्माण और अन्य विकास कार्यों के लिए समाज के गणमान्य लोगों से निरंतर स्वेच्छा से आर्थिक



योगदान मिल रहा है। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में दानदाताओं ने संस्था के प्रधान

गुलाब सिंह दिमाना को छह लाख रुपए से अधिक की राशि नकद और चेक के रूप में सौंपी। इस दौरान प्रमुख दानदाताओं में हुमायूंपुर के पूर्व सरपंच व पूर्व जिला पार्षद हर्द्रे सिंह ने 3,01,000 रुपये, कंसाला के पूर्व सरपंच संजीव आर्य ने 2,55,000 रुपये और आसन के पूर्व सरपंच रामचंद्र ने 51,000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की।

पावर प्वाइंट प्रतियोगिता में अंजलि ने पहला स्थान किया हासिल

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में शनिवार को शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर छात्राओं के कौशल, रचनात्मकता और उद्यमशीलता के विकास हेतु चार प्रमुख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनमें नवीन व्यावसायिक सोच विकसित करना रहा। पावर प्वाइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता में अंजलि (प्रथम स्थान), सोनम (द्वितीय स्थान) एवं ऋतु (तृतीय स्थान) पर रही। इस प्रतियोगिता में सिमरन ने प्रथम, अनन् ने द्वितीय तथा ज्योति वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।



बुखार के साथ ये लक्षण दिखें तो रहे सतर्क

डॉक्टरों के अनुसार इंप्लुएंजा में तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, गले में खराश, खांसी, नाक बहना, बदन दर्द, कमजोरी और थकान जैसे लक्षण हो सकते हैं। कुछ मरीजों में उल्टी-दस्त की शिकायत भी रहती है। बच्चों में चिड़चिड़ापन दिख सकता है। लगातार बुखार, सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द या अत्यधिक कमजोरी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

पहले से बीमार लोगों को ज्यादा खतरा

पहले से बीमार लोगों में इंप्लुएंजा की जटिलताओं का खतरा अधिक हो सकता है। बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा अस्थमा, हृदय रोग, मधुमेह जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। संक्रमण बढ़ने पर सांस संबंधी परेशानी हो सकती है। ऐसे लोगों में लक्षण दिखे तो डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर है।

सांस लेने में आ रही परेशानी या लगातार बुखार पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह की जरूरत

इन बातों का रखें ध्यान

- संक्रमण से बचने के लिए मौइआइ वाली जगहों पर सावधानी बरतें और खांसी-छींकते समय मुंह व नाक को ढकें।
- हाथों को साबुन-पानी से नियमित रूप से धोते रहें और आंख, नाक तथा मुंह को बार-बार धूने से बचें।
- घर में किसी सदस्य को बुखार या खांसी है तो उसके साथ नजदीकी संपर्क कम रखें और व्यक्तिगत सामान साझा न करें।
- बीमार व्यक्ति को पर्याप्त आराम, पानी और तरल पदार्थ दें।
- बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं न शुरू करें।
- लक्षण ज्यादा होने या मरीज पहले से किसी बीमारी से पीड़ित होने पर समय रहते चिकित्सक की सलाह लेना सबसे सुरक्षित उपाय है।

बचपन में हार्मोन संबंधी गड़बड़ी की पहचान जरूरी, तभी बच सकते हैं बड़ी बीमारियों से

बाल रोग विभाग में ‘पीडियाट्रिक एंडोक्राइन अपडेट 2026’ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

बच्चों में हार्मोन से जुड़ी बीमारियों के तेजी से बढ़ते मामलों को लेकर पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली और गलत खान-पान के कारण बच्चों में डायबिटीज, थायरॉयड, मोटापा और ग्रोथ से जुड़ी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनकी समय पर पहचान और सही इलाज बेहद जरूरी है। कुलपति डॉ. अग्रवाल शनिवार को लेक्चर थियेटर 1 में बाल रोग विभाग द्वारा इंडियन सोसाइटी फॉर पीडियाट्रिक एंड एंडोलेसेंट एंडोक्राइनोलॉजी और आईएपी रोहतक के सहयोग से आयोजित ‘पीडियाट्रिक एंडोक्राइन अपडेट 2026’ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर पीजीआईएमएस रोहतक के डीन डॉ. अशोक चौहान भी विशेष रूप से मौजूद रहे।



विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी : डॉ. अंजलि

कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज, हाइपोथायरॉयडिज्म, मोटापा, कम या ज्यादा लंबाई बढ़ना और समय से पहले या देर से यौवन आने जैसे मामलों तेजी से सामने आ रहे हैं। कार्यक्रम की आयोजन सचिव और बाल एंडोक्राइनोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. अंजलि वर्मा ने बताया कि बच्चे की लंबाई, वजन और विकास उसके स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण संकेत होते हैं। ऐसे में तुरंत विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ. आलोक खन्ना, डॉ. कपिल मल्ला, डॉ. वंदना, डॉ. मेधा सहित आदि मौजूद रहे।

मेणी-मेरों के अंकुर रांगी बने सेना में लेफ्टिनेंट 6/5 गोरखा राइफल्स में मिला कमीशन

महम। गांव मेणी-मैरों निवासी अंकुर रांगी ने 5 सितंबर को ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, चेन्नई की पारसिंग आउट परेड में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन प्राप्त कर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया। आईआईटी दिल्ली से बीटेक करने के बाद उन्होंने कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम किया, लेकिन बचपन से सेना में अधिकारी बनकर देशसेवा का सपना था। कड़ी मेहनत और चयन प्रक्रिया में सफलता के बाद उन्होंने एक वर्ष का सेन्य प्रशिक्षण पूरा किया और 6/5 गोरखा राइफल्स में कमीशन पाया। अंकुर ने सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया। उनके पिता कुलदीप रांगी नौसेना में कमांडो रह चुके हैं और माई योगेश सेना में पायलट प्रशिक्षण ले रहे हैं।

TATA की पेशकश

TANISHQ Festival of Diamonds



नेचुरल डायमंड्स से सजे मनमोहक डिजाइन, जो आपकी चमक को सबसे अलग बनाएँ

पलैट 20%*
10,000+ डिज़ाइन्स में डायमंड की कीमत पर*

0% कमीती*
डायमंड जेवेलरी खरीदने पर 9 कैशबैक प्रितले कम के पुराने सोने के एक्चेंज पर।

नया शोरूम :- मानसरोवर पार्क के पास, दिल्ली रोड, रोहतक टेली. : 1800 891 1250



रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्कॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंटेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन कंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ओ' (विरम्य) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ओ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के करें पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अभिगडाल' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सर्वे बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।



कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रोशनी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्कॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकु' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपकी बात बिना



देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी माहसू बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि इनर चाइल्ड हीलिंग मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अच्छा तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कोर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हल्का करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में मटकने वाले किसी आवारा कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ह्यूमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का स्तर तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फ्रीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियों में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आइने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेंडिटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आइने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आइने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलिए: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसें को आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसें को जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वालेस जे. निकोलस ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *



मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अंजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एम्नेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग को धार देना, इसे एक्टिव रखना बंद कर देंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां मानसिक रूप से पूरी तरह इन मशीनों की गुलाम बन जाएंगी।

क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एम्नेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इंसाली भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहाँ है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐंठहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी यादशत के लिए एक

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की निरुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और ऐप्स पर निर्भर हैं।

मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव: मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरोन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो यादशत और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल

मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पढ़ाई और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अविभाज्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी यादशत को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।



खग्य

सूर्य कुमार पांडेय

कविता

पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच
कितने दिशों के बीच
कितने थपड़ों के बीच
कितने जातों के बीच
गैना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी घृणा के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच
कितनी कुंसांग के बीच
कितनी लात्तस के बीच
गैना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने शत्रुओं के बीच
गैना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने झगड़ों के बीच
कितने सनस्रौती के बीच
कितने अग्रमार्गों के बीच
कितने सम्मार्गों के बीच
गैना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने झगड़ों के बीच
कितने झगड़ों के बीच
कितने झगड़ों के बीच
कितने झगड़ों के बीच
कितने झगड़ों के बीच
कितने झगड़ों के बीच

पुस्तक चर्चा / अनुवाद मनींद्र

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शंखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आरुण जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्धृत बेहतरीन शेरों से भी रू-रू-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,



साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, 'वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम है। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिस्प्लिन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।'

डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, 'गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अच्छा प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलें समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।'

डॉ. भावना शंखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह 'मेरा दुख सिरहाने रख दो' की चर्चा करते हुए लिखती हैं, 'किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतराते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।'

संपादक विज्ञान भूषण के लेख 'गजलगोई का नया मुहावरा गढ़ती गजलें' में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। *

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), संपादक: विज्ञान भूषण, मूल्य: 449 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवाँ की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कज्जी काट कर आगे बढ़ गया।

दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डूबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वस्त्र होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश पूरी कर ली थी।

एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डूबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी



आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवाँ की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कज्जी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहें? तुम्हें राजा बेटा न कहें, तो क्या अपना बाप कहें? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूंजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिढी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।'

नवोदित भ्रष्टाचारी निलंज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझ एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की ओकांत नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डुबल डुबकीयां लगाएंगे।'

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया।

प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद

अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग लाई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।'

अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुकान तैर गई। *

सैर-सपाटा

समीर चौधरी

विदा होते मानसून के इस मौसम में अगर उमस से राहत और ठंडी हवाओं का साथ चाहिए, तो पहाड़ों का रुख कीजिए। धुंध, हरियाली, झरनों और बादलों से सजे माउंटआबू, चिकमंगलूर, नैनीताल और ऊटी बारिश में मीगकर और भी निखर उठते हैं। यहां का सुहाना मौसम, शांत हरी-भरी वादियां और प्रकृति के अद्भुत नजारे आपकी यात्रा को यादगार बना देंगे।

जन्मत से कम नहीं लगते ये खूबसूरत हिल स्टेशन



खूबसूरत झील वाला नैनीताल

उत्तराखंड का नैनीताल हालांकि मई-जून की तुलना में अगस्त-सितंबर के महीने में शांत हो जाता है फिर भी इस दौरान यहां घूमना बेहद रोमांचक अनुभव देता है। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरी सुंदर झील, शांत पुराने कॉटेज, बाजार, वॉकिंग ट्रैक्स का जाल, बोटिंग, प्राचीन मंदिरों व हेरिटेज बिल्डिंग्स, इस झील नगर में देखने व एंजॉय करने को बहुत कुछ है। इसके अलावा अगर ट्रैकिंग का मन है और उगते हुए सूरज को देखना है तो टिफिन टॉप पर जा सकते हैं। पहाड़ों के पीछे से धीरे-धीरे उगते सूरज को देखने का अनुभव आप कभी नहीं भूल पाएंगे। नैनीताल आकर अगर आपने टिफिन टॉप से उगते हुए सूरज का नजारा नहीं किया, तो मानना होगा कि प्रकृति के सबसे सुंदर स्थलों में से एक के आपने दर्शन ही नहीं किए। इसे देखते हुए मन करता है कि काश समय ठहर जाए और इस नजारे को देखते ही रहें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

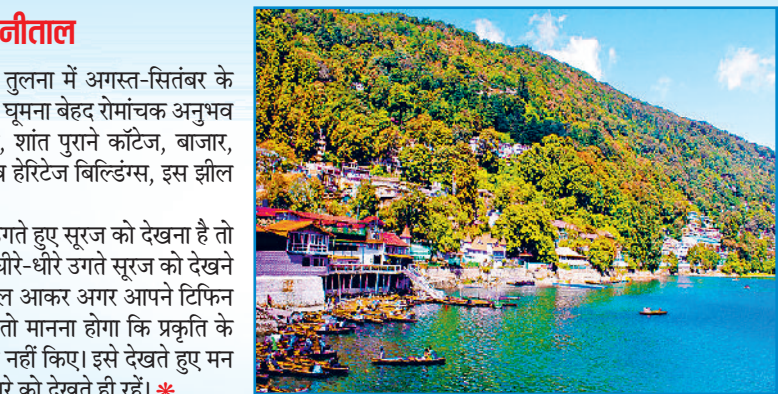
कभी फैशन का मतलब हुआ करता था, जो चल रहा है वही पहनना। फिर एक ऐसा दौर आया, जब सेलिब्रिटी ने जो कुछ पहना, बाजार में उसी की नकल चल निकली। जब सोशल मीडिया प्रभावी हुआ, तो इंफ्लुएंसर ने जिस नए ट्रेंड का जिक्र और तारीफ किया, अगले दिन कॉलेज कैम्पस में वही स्टाइल खूब दिखने लगा। लेकिन अब युवा इस तरह की भेड़चाल में नहीं पड़ते। आज का युवा सिर्फ यह नहीं चाहता कि वह ट्रेंड में दिखे, वह दूसरों से अलग भी दिखना चाहता। अब युवा ऑख मूंदकर इन विकल्पों के पीछे नहीं दौड़ता बल्कि अपनी स्टाइल आईडेंटिटी चुनता है। एक स्टाइल को नहीं करते फॉलो: आज के युवा किसी एक स्टाइल को अपनाने की बजाय सप्ताह के अलग-अलग दिनों में अलग-अलग स्टाइल में दिखना पसंद करते हैं। सरल भाषा में कहें तो आज के युवाओं के लिए स्टाइल का यह फैशन स्टाइल ट्राइब है, जिसमें फैशन पसंद, एस्थेटिक और विजुअल आईडेंटिटी को एक साथ देखा जाता है। मसलन, जेंटल वुमेन एस्थेटिक्स में टेलर्ड ट्राउजर, स्ट्रक्चर्ड ब्लेजर, क्रिस्प शर्ट, लोफर्स और पॉलिशड एसेसरीज शामिल हैं। यहां जेंटल वुमेन फैशन की एक स्टाइल है, जो सोफेस्टीकेटेड है और थोड़ी सी मेल लाइक भी है। इसे सलीकेदार, स्मार्ट और क्लासिकल महिला स्टाइल भी कहा जाता है और यह मूलतः पुरुषों के पारंपरिक फॉर्मल टेलरिंग को महिलाओं की शैली और फिट के साथ मिलाने वाला लुक है।

सिने ट्रेंड / मनोज प्रकाश

बॉलीवुड की फिल्मों में शायद ही कोई ऐसा पर्व या उत्सव होगा, जिसका जिक्र न हुआ हो। सावन-भादो के महीने की बारिश, उसकी हरियाली, उसमें उमड़ते प्रेम और झूलों को भी कई फिल्मों में अलग-अलग तरह से पेश किया जाता रहा है। झूले सदियों से हमारे जीवन का जिस तरह से अंग रहे हैं, ठीक उसी तरह से यह एक समय बॉलीवुड की फिल्मों में छाए रहते थे। हालांकि अब झूले फिल्मों से गायब हो चुके हैं। दिखता था अलग ही समां: झूले सिर्फ नायिकाओं के उल्लास को प्रकट नहीं करते थे बल्कि वे अपने सुख-दुःख में इस पर बैठकर गुनगुनाती हुई ऐसे मन की बात बयान करती थीं कि हर युवक-युवती समझते थे कि वह उनकी ही बात कर रहे हैं। ठंडी हवा, दूर आसमान में उमड़-धुमड़ते बादल, कोयल और दूसरे पक्षियों की मधुर आवाजों के बीच झूले पर झूलती नायिका के मुख से निकलती सुरों की बरखा ने लाखों-करोड़ों दिलों को कभी रुलाया तो कभी झूमने पर बाध्य किया। पर आज ये हिंडोले बॉलीवुड फिल्मों से कहीं गायब हो से गए लगते हैं। अब सावन-भादों के महीने में सचियों के संग हवा में उड़ती-सी प्रतीत होती नायिका की अउखेलियां देखने के लिए पुरानी फिल्मों ही याद आती हैं। वियोग-रहस्य को दर्शाते गीत: मानसून का मौसम हो, हल्की-हल्की फुहारें पड़ रही हों और नवविवाहिता अपने पीछर आइ हो तो उसकी सहेलियां जब उसके साथ किसी बाग या खेत में पड़े झूले पर झूलती हुई उससे चुहल करतीं, तो वह बरबस गा उठती थी, 'सावन के झूले पड़े, तुम चले आओ...' राखी और अमिताभ पर यह गीत सन 1979 में आई फिल्म 'जुर्माना' में फिल्माया गया था। इस गीत ने विरह को एक मधुर मिलन की आस का रंग दिया, तो सन 1949 में आई 'महल' का रहस्यमय गीत 'आएगा आने वाला आएगा...' को दर्शक आज भी नहीं भूल पाते। इस गीत में

काँफी की खुशबू से महकता चिकमंगलूर

कर्नाटक के चिकमंगलूर में जब मानसून की बारिश काँफी एस्टेट्स और पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों को हरियाली, कोहरे से ढंक देती है और हेब्बे, झारी व कल्लाथिगिरी जैसे झरने जीवंत हो उठते हैं, तो कुदरत में मानो एक अलग ही ऊर्जा का प्रवाह हो उठता है। किसी वर्किंग काँफी एस्टेट पर ठहरना, सुबह उठते ही ताजी बू की गई मलनाड काँफी पीना, बाबा बुदनगिरी पहाड़ियों में ड्राइव करते हुए दिन गुजारना, हिरिकोलाले झील पर रुकना या झरनों को विजित करना सबका अपना मजा आता है। बारिश के बीच में स्थानीय व्यंजनों जैसे अक्की रोटी, कदुबू व बांस के शोरेबे (तरी) का आनंद लेना, आपको यात्रा का एक बेहद सुकूनदायक-आनंददायक अनुभव कराएंगे। हालांकि यहां मानसून ट्रैकिंग रूट्स का फिसलन भरा व घुमावदार घाट सड़कों पर रोशनी कम कर देता है, लेकिन इससे घूमने का मजा कम नहीं होता है। यहां दिन का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से 22 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है और रातें अच्छी खासी ठंडी हो जाती हैं। *



आज का युवा फैशन को सिर्फ ट्रेंड नहीं, स्टाइल स्टेटमेंट मानता है। वह किसी एक स्टाइल की नकल करने के बजाय विंटेज, स्ट्रीटवियर, मिनिमलिज्म और देसी प्यूजन को मिलाकर अपनी अलग आइडेंटिटी फैशन स्टाइल गढ़ रहा है।

अब यंगस्टर्स चाहते हैं फैशन में आइडेंटिटी लुक

सोशल मीडिया का भी बड़ा रोल: पहले फैशन ट्रेंड पत्रिकाओं और सेलिब्रिटीज के पहनावों के जरिए समाज तक पहुंचा करता था। लेकिन अब यह सोशल मीडिया के जरिए पहुंच रहा है। सोशल मीडिया के चलते कई बार इसका क्रम उलट भी जाता है यानी जरूरी नहीं है कि सेलिब्रिटी का फैशन सोशल मीडिया में ट्रेंड करे। ऐसा भी हो सकता है कि आम लोगों का फैशन सोशल मीडिया में ट्रेंड करे और उसे सेलिब्रिटी अपनाएं। यही कारण है कि आज फैशन में माइक्रो ट्रेंड्स और नीस एस्थेटिक्स का चलन ज्यादा है। एक युवा आज यह जानने के लिए किसी फैशन मैगजीन के अगले अंक का इंतजार नहीं करता कि कौन सा फैशन इन दिनों ट्रेंड है या कि इस मौसम में क्या पहनना चाहिए? वास्तव में उसके फोन में ही दिन भर नए-नए विकल्प और ट्रेंड की झड़ी लगी रहती है।



आ रहा है। विशेषकर ओवरसाइज्ड शर्ट, जैकेट और यूटैलिटीरियन क्लोथिंग के मामले में। भारतीय युवा हमेशा ग्लोबल ट्रेंड को लोकल कल्चर के साथ मिलाकर अपनाते हैं। इसमें उनकी अपनी निजी पहचान, निजी पसंद और निजी सोच शामिल है।

इंडिविजुएलिटी सबसे इंपॉर्टेंट: स्टाइल ट्राइब्स की सबसे बड़ी खूबी इंडिविजुएलिटी यानी आइडेंटिटी है। आज के युवा फैशन में लैंगिक पहचान भी धुंधली हो रही है। आप निश्चित रूप से

यह नहीं कह सकते कि यह शर्ट लड़कियों के लिए है या लड़कों के लिए। ओवरसाइज्ड शर्ट, वाइड-लेग ट्राउजर अब लड़का-लड़की दोनों पहनते हैं। यहां तक कि रंगों में भी अब बहुत फर्क नहीं रह गया। जहां लड़कों ने बहुत कुछ लड़कियों जैसा अपनाया है, वहीं आज लड़कियों के फैशन में एक मैस्कूलिन टेलरिंग का लुक नजर

मीगी-ठंडी वादियों से घिरा ऊटी

मानसून में तमिलनाडु की नीलगिरि पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी देखने लायक है। ऊटी में दोनों दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को दर्ज किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। 1842 में बना गवर्नमेंट बोटैनिकल गार्डन में जहां पौधों की अनेक देशज व विदेशी प्रजातियां हैं, वहीं एलक हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की हजारों वैराइटीज हैं। झील के किनारे ही डियर पार्क भी है। अगर आप वाइल्ड लाइफ के शौकीन हैं तो वहां का भी रुख कर सकते हैं। *

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध माउंट आबू



माउंट आबू राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है, जिसे मानसून की बारिश, धुंध व हरियाली ढंक देती है। इस मौसम में माउंट आबू का रूप ही बदल जाता है। मौसम की ठंडक आपको आमंत्रित करती है कि आप अचलगढ़ किले के खंडहरों में घूमें, नक्की झील में नौका विहार करें और पहाड़ों के ऊपर तैरते हुए बादलों को देखें या ऐतिहासिक स्थलों जैसे दिलवाड़ा मंदिरों के दर्शन करें। अगर आसमान साफ हो तो सनसेट प्वाइंट बारिश से धुले लैंडस्केप जैसा नजारा प्रदान करता है, जबकि घुमावदार सड़कें और जंगल की ढलानें यात्रा के अनुभव में चार चांद लगा देती हैं। इन दिनों माउंट आबू का तापमान 22 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच में रहता है और रात में 17 डिग्री सेल्सियस तक भी गिर जाता है यानी औसत तापमान 19 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच में रहता है। इससे अंदाजा लगा सकते हैं वहां का मौसम कितना खुशनुमा लगता है। *



कुछ पसंदीदा फैशन ट्रेंड्स: आज के यंगस्टर्स को कुछ फैशन स्टाइल बहुत पसंद हैं। जेंटल वुमेन- पुरुषों के पहनावे को महिलाओं की शैली में फिटिंग के साथ मिलाने वाला लुक। आर्किविस्ट- विंटेज, रेप्टो और आर्काइवल फैशन को आज के तरीके से पहनना। बोहो बूढ़ी- अर्थी कलर्स यानी मिट्टी और प्रकृति से जुड़े रंग के खुले-खुले, ढीले-ढाले कंफर्टेबल ड्रेस। स्ट्रेटवियर ट्राइब्स- ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, स्नीकर्स, कागो, हुडीज और ग्राफिक एलमेंट। मिनिमलिस्ट-कम रंगीन, क्लीन सिलहड्रूड्स और सिंपल एक्सेसरीज तथा टाइमलेस पीसेज। देसी प्यूजन- इसमें इंडियन ड्रेसिंग के साथ वेस्टर्न आउटफिट्स को केरी किया जाता है। *



‘दामिनी’ का गीत ‘बिन साजन झूला झूले’ मंगेशकर की चहकती आवाज में गाए इस गीत की एक-एक लाइन बरखा बहार की तरंगों में समाहित कर देती है। नायिका का कहना, ‘ओ डोले मुन मोरा सजना, चुनरिया बार-बार ढलके, झूले में पवन के आई बहार’ और ‘नायक’ का- ‘भोरी तान से ऊंचा तेरा झूलना गोरी, तू है जीवन सिंगार प्यार छलके..।’ बस यहीं पर ठहर जाते हैं, दो प्रेमियों की दुनिया और उनके सपने। लोकप्रिय हुआ यह फिल्मी कजरी गीत: सावन-भादो के महीने से ही त्योहार आने आरंभ होते हैं और नवविवाहिताएं अपने पीछर में आती हैं। यहां पर वे अपने विरह को, अपने प्रियतम को याद करने के लिए जिस एकांत को तलाशती हैं, वह उन्हें कभी कदंब की डार पर, कभी आम की तो कभी नीम की ओर कभी-कभी आंगन में देहरी पर पड़े झूलों पर ही मिलती है। इन पर बड़ी संख्या में गीत रचे गए हैं। इनमें से कई आज भी खूब गाए-गुनगुनाए जाते हैं। इन कुछ गीतों में बूज का प्रतिनिधित्व करने वाला वहां का लोकरंग में रंगा गीत आज भी हर किसी की पसंद है। चंद्राणी मुखर्जी तथा सुशील कुमार को आवाज में यह गीत है, ‘झूला तो पड़ गए अग्रभा को डाल पे जी, ये जी कौन राधा को गोपाला बिना राधा को, झुलावे झूला कौन..।’ वर्ष 1982 में आई फिल्म ‘बूज भूमि’ में शामिल



महानगरों में सोशलाइजेशन के नए ठिकाने बनते रनिंग क्लब

हाल के दिनों में महानगरों के पार्कों में सुबह के समय रनिंग क्लब्स से जुड़कर दौड़ते युवा एक नए सामाजिक बदलाव की तस्वीर पेश कर रहे हैं। रनिंग क्लब फिटनेस के साथ-साथ दोस्ती, नेटवर्किंग और सामुदायिक जुड़ाव का नया मंच बन रहे हैं।

न्यू लाइफस्टाइल

विवेक कुमार

रविवार की सुबह के 6 बजे हैं। दिल्ली के लोधी गार्डन, मुंबई के मरीन ड्राइव, बैंगलुरु के कब्बन पार्क और हैदराबाद के केबीआर पार्क में सैकड़ों युवा एक साथ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। दौड़ खत्म होने के बाद कोई काँफी पर चर्चा कर रहा है, कोई किसी मैराथन की योजना बना रहा है और कोई नए दोस्तों के साथ तस्वीरें साझा कर रहा है। यह दृश्य बताता है कि भारत के बड़े शहरों में ‘रनिंग क्लब’ अब केवल फिटनेस की जगह नहीं रहे, बल्कि युवाओं की नई सोशल लाइफ बन चुके हैं।

नया सोशल मीटिंग प्वाइंट: जिस तरह एक समय कैफे, मॉल और पब युवाओं के मिलने-जुलने के प्रमुख ठिकाने हुआ करते थे, उसी तरह अब रनिंग ट्रैक और पार्क नई पौढ़ी के सामाजिक मिलन का केंद्र बन रहे हैं। दरअसल कोविड-19 महामारी के बाद लोगों की रोजमर्रा की जीवनशैली में बड़ी बदलाव आया है। घर से काम, लंबे समय तक

स्क्रीन के सामने बैठना और सीमित सामाजिक संपर्क ने युवाओं को ऐसी गतिविधियों की तलाश करना सिखा दिया है, जहां स्वास्थ्य भी सुधरे और लोगों से जुड़ने का अवसर भी मिले। रनिंग क्लबों ने इस जरूरत को बहुत अच्छी तरह से पूरा किया है। यहां कोई सदस्यता शुल्क नहीं है, कोई औपचारिकता नहीं है और न ही किसी विशेष फिटनेस की अनिवार्यता है। बस खेल भावना और नियमितता चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित दौड़ तनाव कम करने, अच्छी नींद पाने और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इसलिए भी कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम करने वाले युवा सप्ताह भर के तनाव को कम करने के लिए वीकेंड की सुबह रनिंग क्लबों का हिस्सा बन रहे हैं।

बढ़ती है सोशल नेटवर्किंग: मौजूदा समय में हमारे महानगरों में नौकरी और अन्य कार्यों से लाखों युवा अकेले रहते हैं, उनके लिए नए दोस्त बनाना आसान नहीं है। ऐसे में रनिंग क्लब उनकी इस कमी को पूरा करते हैं। दौड़ के दौरान होने वाली बातचीत, समूह अभ्यास और सप्ताहांत की गतिविधियां उन्हें एक-दूसरे के साथ जोड़ती हैं। आज कई स्टार्टअप

रनिंग क्लबों में स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, फिटनेस टेक्नोलॉजी, वियरेबल गैजेट्स और कम्प्यूटरी हेल्थ से रिलेटेड प्रोग्राम और लोग भी जुड़ते हैं। इसलिए इन क्लबों का चार्म दिन पर दिन बढ़ रहा है। महिलाओं की बढ़ी भागीदारी: पहले सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की दौड़ सीमित दिखाई देती थी। लेकिन इन रनिंग क्लबों में महिलाओं की अच्छी-खासी भागीदारी देखी जा रही है। अनेक शहरों में महिला रनिंग ग्रुप भी सक्रिय हैं। ये समूह महिलाओं को सुरक्षित वातावरण, प्रेरणा और नियमित अभ्यास का अवसर देते हैं। कई महिलाओं ने इन रनिंग क्लबों के माध्यम से न केवल अपना स्वास्थ्य सुधारा है बल्कि अपने आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

निभाते हैं सामाजिक जिम्मेदारी: रनिंग क्लब दौड़ के माध्यम से लोगों को हेल्थ के प्रति अवेयर तो करते ही हैं, साथ-साथ रक्तदान शिविर, पर्यावरण सुरक्षा अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम और चैरिटी रन जैसे सामाजिक अभियानों का भी आयोजन ये क्लब करते हैं। इनसे युवाओं में सामाजिक भागीदारी की भावना विकसित होती है। *

यह गीत असल में कजरी गीत है और मूवी में आने से पहले ही ब्रज क्षेत्र में गाए जाने वाले गीतों में प्रमुख बन गया। ये गीत भी किए गए खूब पसंद: फिल्मों में शामिल झूला गीतों में फिल्म ‘निगाहे’ का ‘सावन के झूलों ने मुझको बुलाया, मैं परदेसी घर वापस आया’, ‘सरगम’ का ‘सावन बीतो जाय पहिरवा’ तथा ‘दामिनी’ का ‘बिन साजन झूला झूलूं, मैं वादा कैसे भूलूं’ भी हैं। मनोज कुमार तथा जीवन अमान की फिल्म ‘रोटी कपड़ा और मकान’ में भले ही कुछ दृश्य हों पर जब जीवन अमान झूले पर बैठकर, पोंगे बढ़ाती हुई कहती हैं- ‘हाय-हाय ये मजबूरी, ये मौसम और ये दूरी... कितने सावन बीत गए, बैठी हूं आस लगाए’, जिस सावन में मिले सजनावा वो सावन कब आए, * आए’ तो लगता है कि सच में कोई विरहणी अपने प्रेमी को याद कर रही है। फिल्म ‘बहू बेगम’ का ‘पड़ गए झूले, सावन रत आयी रे’, ‘दो बीधा जमीन’ का ‘हरियाला सावन ढोल बजाता आया’, सन 1966 की ‘देवर’ फिल्म का ‘झूला किनारों पे’ तथा मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म ‘गंगा की कसम’ का ‘बनना रे बाग में झूला झूला’ आदि आज भी सुना जाता है। झूला नाम पर केंद्रित फिल्में:बॉलीवुड के कुछ फिल्मकारों ने तो झूला नाम पर भी फिल्में बनाई हैं। सन 1941 में लीला चिटनिस और अशोक कुमार के आंगन में देहरी पर पड़े झूलों पर ही मिलती है। इन पर बड़ी संख्या में गीत रचे गए हैं। इनमें से कई आज भी खूब गाए-गुनगुनाए जाते हैं। इन कुछ गीतों में बूज का प्रतिनिधित्व करने वाला वहां का लोकरंग में रंगा गीत आज भी हर किसी की पसंद है। चंद्राणी मुखर्जी तथा सुशील कुमार को आवाज में यह गीत है, ‘झूला तो पड़ गए अग्रभा को डाल पे जी, ये जी कौन राधा को गोपाला बिना राधा को, झुलावे झूला कौन..।’ वर्ष 1982 में आई फिल्म ‘बूज भूमि’ में शामिल

अभिनय से सजी फिल्म ‘झूला’ का गीत, ‘झूले के संग झूलो मेरे मन’ खासा चर्चित हुआ। सन 1962 में ‘झूला’ नाम से ही एक और फिल्म बनी। इसमें सुनील दत्त, वैजयंती माला मुख्य भूमिका में थे। भले ही इसमें झूले को अधिक महत्व नहीं दिया गया हो, पर मन्ना डे की आवाज में गंभीर किस्म का यह गीत खूब पसंद किया गया। गीत के बोल थे, ‘एक समय पर दो बरसातें, बादल के संग आंख भी बरसे, चारों ओर है जल-थल-थल, फिर प्यासा मक्का परसे।’ *